माता की शरण में आजा बावले शाणा ने छोड़ लिरिक्स

माता की शरण में आजा बावले,
शाणा ने छोड़।bd।

सबका टोटा दूर करे मां,
निंदा न जो दूर धरे जा,
रंक न राजा बनादे बावले,
शाणा ने छोड़,
माता की शरण मे आजा बावले,
शाणा ने छोड़।bd।

बेरी गुडगावा और कटरे में,
माता रहती मन मेरे मैं,
मिनट में पार करादे भव त,
शाणा ने छोड़,
माता की शरण मे आजा बावले,
शाणा ने छोड़।bd।

नवराता में जो बरती रहता,
सच्चे प्रेम त आरती पढ़ता,
मिले सुख वैभव की खान बावले,
शाणा ने छोड़,
माता की शरण मे आजा बावले,
शाणा ने छोड़।bd।

'नवदीप' होजा नाम जगत में,
श्रद्धा और विश्वास रह मन में,
आठे का भोग लगाले बावले,
शाणा ने छोड़,
माता की शरण मे आजा बावले,
शाणा ने छोड़।bd।

माता की शरण में आजा बावले,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गायक / प्रेषक – नवदीप दराल।
9953046973

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com